अध्याय:3

नगरीय स्वशासन एवम महिला प्रतिनिधित्व : समस्या एवम चुनौतीयाँ

4028वर्गकिमी. क्षेत्रफ़ल में फैला आगरा शहर जिसकी ऐतिहासिक इमारतें ताजमहल ,आगरा फोर्ट एवं फतेहपुर सीकरी को संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन की विश्व धरोहर सूची में शामिल है । विश्व में ऐतिहासिक द्रष्टि से महत्वपूर्ण स्थान रखता है एवं सामाजिक द्रष्टि से भारत के लिए महत्वपूर्ण है। इस शहर की जनसँख्या वर्ष 2011 जनगणना के अनुसार 4,418,797 है । यह शहर उत्तर प्रदेश राज्य के प्रमुख पाँच घनी आबादी वाले शहरों में चतुर्थ स्तर पर आता है। इसका लैंगिक अनुपात 868 महिला प्रति 1000 पुरुष है, जिसमें पुरुष साक्षरता दर 80.62% एवं 61.18% महिला साक्षरता दर है । प्राप्त आंकडों के अनुसार आगरा नगर निगम के कुल 90 वार्डों में से 33 में महिला पार्षद है। अध्ययन के विषय नगरीय स्थानीय स्वशासन में महिला प्रतिनिधियों की समस्याओं से सम्बंधित जानकारी एकत्रित करने के लिए 3 महिला पार्षदों की अनुपस्थिति अथवा अन उपलब्धता के कारण 33 में से कुल 30 महिला पार्षदों से प्रश्नावली भरवायी जा सकी एवं जानकारी एकत्रित की जा सकी एवं उसके साथ ही महिला पार्षदों के पति एवं परिवार के सदस्यों से साक्षात्कार के

माध्यम से आंकड़े एकत्रित किये गए है। जिनका विवरण प्राप्त आंकड़ों के आधार पर प्रस्तुत अध्याय में किया जायेगा ।

तालिका-1

आयु वर्ग	आवृति	प्रतिशत	वैध प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
31-40	12	40.0	40.0	40.0
41-50	8	26.7	26.7	66.7
51 और उससे उपर	10	33.3	33.3	100.0
कुल	30	100.0	100.0	

अध्ययन के विषय को ध्यान में रखते हुए अध्ययन क्षेत्र के रूप में चयनित आगरा नगर निगम संस्था जिसमें कुल 33 महिला पार्षद है। जिनमे से 3 महिला पार्षदों की अनुपस्थिति अथवा अनउपलब्धता के कारण 30 महिला पार्षदों से ही जानकारी एकत्रित हो सकी। तालिका संख्या-1 में प्राप्त जानकारी के आधार पर उत्तरदाताओं के आयु वर्ग को दर्शाया गया हे। जिसमें पाया गया कि सबसे अधिक उत्तरदाता 31 से 40 तक के आयु वर्ग की है। जिनकी संख्या 12 है, जो कि कुल उत्तरदाताओं का 40% है एवं 8 उत्तरदाता 41 से 50 वर्ष की आयु की है जो

कि कुल उत्तरदाताओं का 26.7% है। अतः अधिकाँश महिला पार्षद 31 से 50 वर्ष तक के आयु वर्ग की हैं ।जिसका कि कुल प्रतिशत 66.7 है एवं कुल उत्तरदाताओं में से 10 उत्तरदाता 51 वर्ष या उससे अधिक आयु की है। जिसका कि कुल प्रतिशत 33.3 है।

तालिका-2

शैक्षणिक स्तर	आवृति	प्रतिशत	वैध प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
अशिक्षित	2	6.7	6.7	6.7
8 वीं तक	9	30.0	30.0	36.7
12 वीं तक	10	33.3	33.3	70.0
स्नातक एवं और उपर	9	30.0	30.0	100.0
कुल	30	100.0	100.0	

तालिका -2 में प्राप्त आंकड़ों के अनुसार उत्तरदाताओं के शैक्षिक स्तर को दर्शाया गया है । जिसमें पाया गया कि अधिकतर उत्तरदाता 12 वीं कक्षा तक ही शिक्षा प्राप्त है। जिनकी आवृति कुल संख्या 30 में से 10 है एवं जिनका प्रतिशत 33.3 है एवं 9 उत्तरदाता ऐसी हैं जो सिर्फ 8 वीं कक्षा तक ही शिक्षा प्राप्त हैं।

इनका प्रतिशत कुल संख्या का 30% हैं एवं प्राप्त आंकड़ों के आधार पर यदि हम देखते हैं तो कुल 30 में से 19 उत्तरदाता 12 वीं कक्षा तक ही शिक्षा प्राप्त हैं। इन उत्तरदाताओं का प्रतिशत 63.3 % है। 30 में से सिर्फ 9 उत्तरदाता ही हैं, जो स्नातक एवं उससे उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकी है। जो कि कुल संख्या का 30% ही है एवं उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर 2 उत्तरदाता अशिक्षित भी है। जो कि कुल संख्या का 6.7% हैं ।

तालिका-3

वैवाहिक स्थिति	आवृति	प्रतिशत	वैध प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
विवाहित	28	93.4	93.4	93.4
अन्य	2	6.6	6.6	100.0
कुल	30	100.0	100.0	

तालिका-3 में शोधार्थी द्वारा प्राप्त जानकारी के आधार पर उत्तरदाताओं की वैवाहिक स्थिति को दर्शाया गया है । प्राप्त आंकड़ों के अनुसार अधिकाँश उत्तरदाता विवाहित हैं । जिनकी आवृत्ति 28 हैं एवं जिसका प्रतिशत कुल संख्या का 93.4% है। सिर्फ 2 उत्तरदाता है, जो की अन्य की स्थिति में आती है। जिनका प्रतिशत कुल संख्या का 6.6% हैं।

तालिका-4

परिवार का स्वरुप	आवृति	प्रतिशत	वैध प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
संयुक्त	18	60.0	60.0	60.0
एकल	12	40.0	40.0	100.0
कुल	30	100.0	100.0	

प्राप्त जानकारी के आधार पर तालिका संख्या-4 में उत्तरदाताओं के परिवार के स्वरुप को दर्शाया गया है। जिसमें पाया गया कि अधिकतर उत्तरदाताओं के परिवार का स्वरुप संयुक्त है ,अर्थात कुल संख्या में से, 18 महिला पार्षदों के परिवार का स्वरुप संयुक्त है; जो की कुल संख्या का 60% है एवं कुल में से सिर्फ 12 महिला पार्षदों के परिवार का स्वरूप एकल है। जो की कुल संख्या का 40% है।

तालिका -5

पति का शैक्षणिक स्तर	आवृति	प्रतिशत	वैध प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
अशिक्षित	1	3.3	3.3	3.3
8 वीं तक	4	13.3	13.3	16.7
12 वीं तक	12	40.0	40.0	56.7
स्नातक एवं और उपर	13	43.3	43.3	100.0
कुल	30	100.0	100.0	

तालिका-5 में प्राप्त जानकारी के आधार पर उत्तरदाताओं के पतियों का शैक्षणिक स्तर दर्शाया गया है । 13 उत्तरदाताओं के पति स्नातक एवं उच्च शिक्षा प्राप्त है एवं जिसका प्रतिशत 43.3% है। अतः अधिकांश महिला पार्षदों के पति स्नातक अथवा उससे भी उच्च शिक्षा प्राप्त हैं । (जबकि स्नातक एवं उससे उच्च शिक्षा प्राप्त महिला पार्षदों की संख्या 30 में से 9 ही है, जो कि प्राप्त आंकड़ों के अनुसार सबसे कम है)

एवं 30 में से 12 उत्तरदाताओं के पति 12 वीं तक की शिक्षा प्राप्त किये हुए हैं। जो की कुल संख्या का 40% है एवम 30 में से सिर्फ 4 महिला पार्षदों के पति 8 वीं तक की शिक्षा प्राप्त किये हुए हैं। जिनका प्रतिशत कुल संख्या 13.3 है एवं एक महिला पार्षद के पति अशिक्षित भी हैं । इनका प्रतिशत कुल संख्या का 3.3 प्रतिशत है। यदि हम प्राप्त आंकड़ों के आधार पर देखे तो 25 उत्तरदाताओं के पति 12 वीं अथवा उससे ऊच्च शिक्षा प्राप्त है, जिसका प्रतिशत 82.5% है ।

तालिका-6

पारिवारिक व्यवसाय	आवृति	प्रतिशत	वैध प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
लोक-सरकारी	4	13.3	13.3	13.3
निजी	5	16.7	16.7	30.0
व्यापर	15	50.0	50.0	80.0
अन्य	6	20.0	20.0	100.0
कुल	30	100.0	100.0	

तालिका-6 में अध्ययन के विषय को ध्यान में रखते हुए उत्तरदाताओं के परिवार की आर्थिक स्थिति का अवलोकन करने का प्रयास किया गया है । जिसमे पाया

गया कि 30 में से 15 उत्तरदाताओं का पारिवारिक व्यवसाय व्यापार है जो की कुल संख्या का 50 प्रतिशत है । लोक अथवा सरकारी क्षेत्र से सम्बंधित पारिवारिक व्यवसाय वाली उत्तरदाताओं की संख्या सबसे कम है, जो कि 30 में से सिर्फ 4 है: जिसका प्रतिशत कुल संख्या का 13.3 % है। निजी क्षेत्र से जुडी हुई उत्तरदाताओं की संख्या 30 में से 5 है जो कि कुल संख्या का 16.7 प्रतिशत है। कुछ उत्तरदाताओं का पारिवारिक व्यवसाय अन्य प्रकार का भी है । जिनकी संख्या 30 में से 6 है जो कि कुल संख्या का 20 प्रतिशत है ।अतः प्राप्त आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि अधिकाँश उत्तरदाता अपनी आजीविका हेतु व्यापार में संलग्न है ।

तालिका-7

राजनैतिक क्षेत्र में अवधि	आवृति	प्रतिशत	वैध प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
प्रारम्भ से 5 वर्ष	18	60.0	60.0	60.0
6-10 वर्ष	9	30.0	30.0	90.0
15 वर्ष एवं उससे अधिक	3	10.0	10.0	100.0
कुल	30	100.0	100.0	

प्राप्त जानकारी के आधार पर तालिका - 7 उत्तरदाताओं के राजनीतिक क्षेत्र से सम्बन्ध अथवा राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े होने की समयावधि को दर्शाती है। जिसमें आंकड़ों के आधार पर स्पष्ट हो रहा है कि अधिकाँश उत्तरदाताओं को राजनीति से जुड़े हुए प्रारंभ से सिर्फ 5 वर्ष हुए है। उत्तरदाताओं की संख्या 30 में से 18 है जो की कुल संख्या का 60 प्रतिशत है 9 उत्तरदाता ऐसी भी है जिन्हें राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े हुए 6 से 10 वर्ष हुए है जो की कुल संख्या 30 का 30 प्रतिशत ही है । सिर्फ 3 उत्तरदाता ही है जिन्हें राजनीति से जुड़े हुए 15 वर्ष या उससे अधिक समय हुआ है।

तालिका - 8

राजनीति में आने पर परिवार का समर्थन	आवृति	प्रतिशत	वैध प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
हाँ	28	93.3	93.3	93.3
नहीं	2	6.7	6.7	100.0
कुल	30	100.0	100.0	

प्राप्त आंकड़ों के अनुसार तालिका संख्या - 8 उत्तरदाताओं के राजनीतिक क्षेत्र में आने पर परिवार के समर्थन को दर्शाने का प्रयास करती है। प्राप्त आंकड़ों के

आधार पर यह समझ में आता है कि अधिकाँश उत्तरदाताओं को राजनीतिक क्षेत्र में आने के लिए पारिवारिक समर्थन प्राप्त हुआ है। इन महिला पार्षदों की संख्या 30 में से 28 है जो की कुल संख्या का 93.3 प्रतिशत है । 2 उत्तरदाता ऐसी भी है जिन्हें राजनीतिक क्षेत्र में आने के लिए परिवार का समर्थन नहीं मिला है, जो कि कुल संख्या 30 का 6.7 प्रतिशत है।

तालिका-9

पति का राजनीति से सम्बन्ध	आवृति	प्रतिशत	वैध प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
हाँ	22	73.3	73.3	73.3
नहीं	6	20	20	93.3
कह नहीं सकते	2	6.6	6.6	100
कुल	30	100	100	

तालिका - 9 प्राप्त जानकारी के आधार पर उत्तरदाताओं के पतियों का राजनैतिक क्षेत्र से सम्बन्ध दर्शाती है । जिसमें अधिकांश उत्तरदाताओं ने स्वीकार किया है, कि उनके पति राजनैतिक क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। राजनीति से सम्बन्ध रखने वाले उत्तरदाताओं के पतिओं की संख्या कुल संख्या 30 में से 22 है, जो की कुल

संख्या का 73.3 प्रतिशत है। सिर्फ 6 महिला पार्षद ऐसी है जिनके पति राजनीतिक क्षेत्र से सम्बंधित नहीं हैं । जिनका प्रतिशत कुल संख्या 30 का 20 प्रतिशत है । 2 उत्तरदाताओं ने इस सम्बन्ध में कुछ स्पष्ट उत्तर नहीं दिया कि उनके पति राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े हुए है कि नहीं? इनका प्रतिशत कुल संख्या का 6.6 प्रतिशत है।

तालिका - 10

राजनीति में परिवार का अन्य सदस्य	आवृति	प्रतिशत	वैध प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
हाँ	16	53.3	53.3	53.3
नहीं	14	46.7	46.7	100
कुल	30	100	100	

एकत्रित आंकड़ों के अनुसार तालिका - 10 में उत्तरदाताओं के पति के आलावा भी परिवार के अन्य सदस्यों के सम्बन्ध का राजनैतिक क्षेत्र से सम्बन्ध दर्शाने का प्रयास किया गया है। जिसमें आंकड़ों के अनुसार स्पष्ट होता है कि 16 उत्तरदाताओं के पति के आलावा परिवार के अन्य सदस्य राजनीतिक क्षेत्र से सम्बंधित हैं जो की कुल संख्या 30 का 53.3 प्रतिशत है। 30 में से 14 उत्तरदाताओं के पति के आलावा परिवार का कोइ अन्य सदस्य राजनीतिक क्षेत्र से

संबंधित नहीं है।अतः अधिकांश उत्तरदाता ऐसी हैं जिनके पति के आलावा भी परिवार के अन्य सदस्य राजनीतिक क्षेत्र में संलग्न हैं ।

तालिका- 11

राजनीति से सम्बंधित ससुराल पक्ष	आवृति	प्रतिशत	वैध प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
हाँ	23	76.7	76.7	76.7
नहीं	7	23.3	23.3	100.0
कुल	30	100.0	100.0	

तालिका - 11 में उत्तरदाताओं के ससुराल पक्ष का राजनीतिक क्षेत्र से सम्बंध दर्शाया गया है। जिसमें उपलब्ध जानकारी के आधार पर स्पष्ट होता है कि अधिकाँश उत्तरदाताओं का ससुराल पक्ष राजनैतिक क्षेत्र से सम्बंधित है । इन उत्तरदाताओं की संख्या 23 है जो कि कुल संख्या 76.7 प्रतिशत है। 7 उत्तरदाताओं के ससुराल पक्ष का राजीनीति से सम्बन्ध नहीं है, इनका प्रतिशत का 23. है।

तालिका -12

मायके पक्ष का राजनीति से सम्बन्ध	आवृति	प्रतिशत	वैध प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
हाँ	9	30.0	30.0	30.0
नहीं	21	70.0	70.0	100.0
कुल	30	100.0	100.0	

प्राप्त आंकड़ों के आधार पर तालिका संख्या 12 उत्तरदाताओं के मायके पक्ष का राजनीतिक सम्बन्ध दर्शाती है । प्राप्त आंकड़ों के आधार पर पाया गया है कि 30 में से 9 उत्तरदाताओं का मायके पक्ष राजनीति से सम्बंधित है जो की कुल संख्या का 30 प्रतिशत है । 21 उत्तरदाताओं के मायके पक्ष का राजनैतिक सम्बन्ध नहीं है, जो की कुल संख्या का 70.0 प्रतिशत है। अतः प्रस्तुत आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि अधिकाँश उत्तरदाताओं का मायका पक्ष राजनैतिक क्षेत्र से सम्बंधित नहीं है ।

तालिका - 13

निगम के कार्यों	आवृति	प्रतिशत	वैध प्रतिशत	संचयी प्रतिशत

में भागीदारी				
हाँ	27	90.0	90.0	90.0
नहीं	3	10.0	10.0	100.0
कुल	30	100.0	100.0	

तालिका - 13 उत्तरदाताओं की निगम के कार्यो में भागीदारी को दर्शाती है । इस सम्बन्ध में प्रस्तुत आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि 27 उत्तरदाताओं की निगम के कार्यों में भागीदारी है जो कि कुल संख्या का 90 प्रतिशत है। 3 उत्तरदाता ऐसी भी है जिनकी निगम के कार्यो में भागीदारी नहीं है जो कि कुल संख्या 10.0 प्रतिशत है। अर्थात प्रस्तुत आंकड़े दर्शाते हैं कि अधिकाँश उत्तरदाता निगम के कार्यों में भागीदारी रखती हैं ।

तालिका -14

परिवार के किसी अन्य सदस्य की निगम के कार्यों में भागीदारी	आवृति	प्रतिशत	वैध प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
हाँ	17	56.7	56.7	56.7

नहीं	13	43.3	43.3	100.0
कुल	30	100.0	100.0	

तालिका - 14 में उत्तरदाताओं के परिवार के सदस्यों की निगम के कार्यो में भागीदारी को दर्शाया गया है । प्राप्त जानकारी के आधार पर 17 उत्तरदाताओं के परिवार के सदस्य निगम की कार्यों में हिस्सा लेते है, जो की कुल संख्या का 56.7 प्रतिशत है । 13 उत्तरदाता ऐसी भी हैं जिन के परिवार का कोई सदस्य निगम के कार्यो में हिस्सा नहीं लेता है जो की कुल संख्या का 43.3 प्रतिशत है । अतः उपलब्ध आंकड़ों से स्पस्ट होता है कि अधिकाँश उत्तरदाताओं के परिवार के सदस्यों की निगम के कार्यों में भागीदारी हैं ।

तालिका-15

पार्षदों की निगम की बैठकों में भागीदारी	आवृति	प्रतिशत	वैध प्रतिशत	संचयी प्रतिशत

हाँ	29	96.7	96.7	96.7
नहीं	1	3.3	3.3	100.0
कुल	30	100.0	100.0	

तालिका - 15 एकत्रित आंकड़ों के आधार पर उत्तरदाताओं की निगम की बैठकों में भागीदारी को प्रस्तुत करती है । प्राप्त आंकड़ों के आधार पर पाया गया है कि अधिकांश उत्तरदाता की नगर - निगम की बैठकों में हिस्सा लेती है। निगम की बैठकों में हिस्सा लेने वाली उत्तरदाता 30 में से 29 है जिसका प्रतिशत कुल संख्या का 96.7 प्रतिशत है। 1 उत्तरदाता ने यह भी स्वीकार किया है कि वे नगर - निगम की बैठकों में हिस्सा नहीं लेती है। जिसका प्रतिशत कुल संख्या 30 का 3.3 प्रतिशत है । इसमें ध्यान देने योग्य तथ्य यह है, कि पार्षदों का नगर - निगम की बैठकों में हिस्सा लेना अनिवार्य होता है एवं बैठकों में उपस्थिति - पुस्तिका पर पार्षदों के ही हस्ताक्षर होते है जो कि अनिवार्य है।

तालिका-16

पति या परिवार के सदस्यों द्वारा	आवृति	प्रतिशत	वैध प्रतिशत	संचयी प्रतिशत

निर्णय लेना				
हां	19	63.3	63.3	63.3
नहीं	9	30	30	30
कह नहीं सकते	2	6.7	6.7	6.7
कुल	30	100	100	

प्राप्त आंकड़ों के अनुसार तालिका संख्या 16 में यह दर्शाया गया है कि महिला पार्षद अपने क्षेत्र व कार्यस्थल सम्बन्धी निर्णय स्वयं करती है अपने पति अथवा परिवार के सदस्यों से परामर्श करके करती हैं । जिसमें प्राप्त आंकड़ों के आधार पर पाया गया है कि 19 उत्तरदाता अपने कार्यस्थल एवं क्षेत्र सम्बन्धी निर्णय अपने पति एवं परिवार के सदस्यों से परामर्श करके अथवा उनके अनुसार लेती है इनका प्रतिशत 63 .3 है। सिर्फ 9 उत्तरदाता ही हैं जो यह स्वीकार करती हैं कि उनके क्षेत्र व कार्य स्थल सम्बन्धी निर्णय वे स्वयं करती हैं, इनका प्रतिशत कुल संख्या का 30 प्रतिशत ही है । 2 उत्तरदाताओं ने इस प्रश्न का स्पष्ट उत्तर नहीं दिया है, इनका प्रतिशत कुल संख्या 30 का 6.7 है । प्रस्तुत आंकड़ों के आधार पर हम कह सकते हैं कि अधिकाँश उत्तरदाता क्षेत्र सम्बन्धी निर्णय अपने पति एवं परिवार के परामर्शानुसार करती हैं ।

तालिका-17

कार्यस्थल पर भेदभाव	आवृति	प्रतिशत	वैध प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
हाँ	5	16.7	16.7	16.7
नहीं	23	76.7	76.7	93.3
कह नहीं सकते	2	6.7	6.7	100.0
कुल	30	100.0	100.0	

प्राप्त जानकारी के आधार पर तालिका 17 में दर्शाया गया है कि क्या महिला पार्षदों को महिला होने के कारण कार्यस्थल पर किसी भी प्रकार के भेदभाव का सामना करना पड़ता है? जिसमे 30 में से 5 उत्तरदाता स्वीकार करती हैं कि उन्हें कार्य स्थल पर भेदभाव का सामना करना पड़ता है, जिनका प्रतिशत 16.7. है। अधिकांश उत्तरदाताओं का कहना हैं कि उन्हें कार्यस्थल पर भेदभाव का सामना

करना पड़ता है इनकी संख्या 30 में से 23 है एवं इनका प्रतिशत 76.7 है। 2 उत्तरदाताओं ने इस प्रश्न का स्पष्ट उत्तर नहीं दिया इनका प्रतिशत 6.7 है ।

तालिका-18

कार्यस्थल पर दुर्व्यवहार	आवृति	प्रतिशत	वैध प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
हाँ	5	16.7	16.7	16.7
नहीं	25	83.3	83.3	100.0
कुल	30	100.0	100.0	

अध्ययन क्षेत्र से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर तालिका-18 में कार्य स्थल पर महिला पार्षदों के साथ होने वाले किसी भी प्रकार के दुर्व्यवहार को दर्शाने का प्रयास किया गया है। जिसमें 25 उत्तरदाताओं का कहना है कि उन्हें कार्यस्थल पर किसी भी दुर्व्यवहार का सामना नहीं करना पड़ा है, इनका प्रतिशत कुल संख्या का 83.3 है। 5 उत्तरदाताओं ने स्वीकार किया हैं, कि कार्यस्थल पर उनके साथ दुर्व्यवहार हुआ है, इनका प्रतिशत 16.7 है । हम प्रस्तुत आंकड़ों के आधार पर कह सकते हैं कि अधिकतर उत्तरदाताओं को कार्यस्थल पर दुर्व्यवहार का सामना नहीं

करना पड़ता परन्तु उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार कुछ उत्तरदाताओं के साथ कार्यस्थल पर दुर्व्यवहार है ।

तालिका - 19

कार्य- स्थल पर किसी भी प्रकार की टिप्पणी	आवृति	प्रतिशत	वैध प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
हाँ	13	43.3	43.3	43.3
नहीं	13	43.3	43.3	86.7.
कह नहीं सकते	4	13.3	13.3	100.0
कुल	30	100.0	100.0	

तालिका-19 यह दर्शाती है कि क्या महिला पार्षदों को कार्यस्थल पर अथवा उनके क्षेत्र में अथवा निगम के अधिकारक कार्यों को करते हुए किसी भी प्रकार की टीका-टिप्पणी भी सुनने को मिलती है? जिसमें प्राप्त आंकड़ों के आधार पर 13 उत्तरदाताओं ने स्वीकार किया कि कार्य स्थल पर उनके साथ टीका-टिप्पणी की गयी है इनका प्रतिशत 43.3 है । 13 उत्तरदाताओं का कहना है कि उन्हें किसी भी प्रकार की टीका - टिप्पणी जैसे व्यवहार का सामना नहीं करना पड़ा इनका

प्रतिशत 43.3 है। 30 में से 4 उत्तरदाताओं ने इससे संबंधित किसी भी प्रश्न का स्पष्ट उत्तर नहीं दिया है, इनका प्रतिशत कुल संख्या 30 का 13.3 प्रतिशत है।

तालिका-20

गृह- कार्यों में परिवार के सदस्यों से सहायता	आवृति	प्रतिशत	वैध प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
हाँ	27	90.0	90.0	90.0
नहीं	3	10.0	10.0	100.0
कुल	30	100.0	100.0	

तालिका- 20 में गृह कार्य करने हेतु उत्तरदाताओं को मिलने वाली पारिवारिक सहायता से सम्बंधित आंकड़ों को प्रस्तुत किया गया है । जिससे यह स्पष्ट हो सके महिला पार्षदों को गृहस्थी के कार्यों से अलग उनके आधिकारिक कार्यों को करने का अवसर अथवा समय मिल सके । अधिकाँश उत्तरदाताओं को घरेलू कार्य करने में परिवार के सदस्यों की सहायता मिलती है । 27 उत्तरदाता स्वीकार

करती हैं कि उन्हें घरेलु कार्य करने में परिवार के सदस्यों की सहायता मिलती है इनका प्रतिशत 90 है। 3 उत्तरदाता ऐसी भी हैं जिन्हें घरेलु कार्य करने में परिवार के सदस्यों की सहायता नहीं मिलती इनका प्रतिशत 10 है।

तालिका -21

आधिकारिक कार्यों में परिवार का समर्थन	आवृति	प्रतिशत	वैध प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
हाँ	26	86.7	86.7	86.7
नहीं	3	10.0	10.0	96.7
कह नही सकते	1	3.3	3.3	100.0
कुल	30	100.0	100.0	

तालिका-22 में यह दर्शाने का प्रयास किया गया है की महिला पार्षदों के आधिकारिक कार्य उनके स्वयं के द्वारा संपन्न किये जाते हैं अथवा उनके परिवार के सदस्यों की सहायता से किये जाते है । प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 26 उत्तरदाताओं ने स्वीकार किया कि उनके अधिकारिक कार्य करने में उनके परिवार

के सदस्य उनकी सहायता करते हैं । इनका प्रतिशत 86.7 है एवं 30 में से सिर्फ 3 उत्तरदाता अपने आधिकारिक कार्य स्वयं करती हैं । इनका प्रतिशत 10 है एवं एक उत्तरदाता ने इस प्रश्न का भी स्पष्ट उत्तर नहीं दिया इनका प्रतिशत 3.3 है। प्रस्तुत आंकड़ों के आधार पर हम पुष्टि कर सकते हैं कि अधिकाँश उत्तरदाताओं को उनके आधिकारिक कार्य करने में परिवार के सदस्यों की सहायता मिलती हैं, परन्तु कुछ उत्तरदाता अपने आधिकारिक कार्य स्वयं भी करती हैं ।

तालिका - 22

राजनीती एवं घर में सामंजस्य बिठाने में समस्या	आवृति	प्रतिशत	वैध प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
हाँ	6	20.0	20.0	20.0
नहीं	21	70.0	70.0	90.0
कह नहीं सकते	3	10.0	10.0	100.0
कुल	30	100.0	100.0	

तालिका - 22 में अध्ययन के विषय को ध्यान में रखते हुए अध्ययन क्षेत्र के रूप में चयनित आगरा नगर निगम से प्राप्त जानकारी के आधार पर दर्शाया गया है,

कि क्या महिला पार्षदों को राजनीतिक अथवा आधिकारिक कार्यो एवं घर में सामंजस्य बिठाने में किसी प्रकार की समस्या का सामना तो नहीं करना पड़ता। जिसमें 6 उत्तरदाता यह स्वीकार करती हैं कि उन्हें राजनीति एवं घर के मध्य सामंजस्य बिठाने में समस्या होती है , इनका प्रतिशत 20 है । 21 उत्तरदाता कहती हैं की उन्हें घर एवं राजनीतिक कार्यों में सामंजस्य बिठाने में किसी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़ता इनका प्रतिशत 70 है एवं कुल 30 में से 3 उत्तरदाता हैं जो इस प्रश्न का स्पष्ट उत्तर नहीं देती इनका प्रतिशत कुल संख्या 30 का 10 प्रतिशत है।

तालिका -23

राजनीतिक कार्यो को प्राथमिक महत्त्व दिया जायेगा	आवृति	प्रतिशत	वैध प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
हाँ	18	60.0	60.0	60.0
नहीं	3	10.0	10.0	70.0
कह नहीं सकते	9	30.0	30.0	100.0

कुल	30	100.0	100.0	

तालिका - 23 में दर्शाया गया है कि यदि महिला पार्षदों को घर एवं राजनीति कार्यों में सामंजस्य बिठाने में किसी भी प्रकार की समस्या का सामना करना पड़ता है, तो महिला पार्षद ऐसी परिस्थिति में राजनीतिक कार्यों को प्राथमिकता देंगी अथवा घरेलु कार्यों को ? जिसमें प्राप्त आंकड़ों के आधार पर 30 में से 18 उत्तरदाता यह स्वीकार करती है कि ऐसी परिस्थिति में वे राजनीतिक कार्यों को प्राथमिकता देंगी जिनका प्रतिशत 60 है। 3 उत्तरदाता अथवा 10 % उत्तरदाता स्वीकार करती है कि वे ऐसी स्थिति में राजनीतिक कार्यों को प्राथमिकता नहीं देंगी एवं 30 में से 9 उत्तरदाताओं ने इस प्रश्न का स्पष्ट उत्तर नहीं दिया है । इनका प्रतिशत कुल संख्या 30 का 30 प्रतिशत है।

तालिका - 24

ग्रह-कार्यों को प्राथमिक महत्त्व दिया जाएगा	आवृति	प्रतिशत	वैध प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
हाँ	15	50.0	50.0	50.0
नहीं	6	20.0	20.0	70.0
कह नहीं सकते	9	30.0	30.0	100.0
कुल	30	100.0	100.0	

तालिका -24 में दर्शाया गया है कि यदि उत्तरदाताओं को घर एवं राजनीतिक कार्यों में सामंजस्य बिठाने में किसी भी प्रकार की समस्या का सामना करना पड़ता है तो क्या उत्तरदाता ऐसी परिस्थिति में घरेलु कार्यों को प्राथमिकता देंगी ? जिसमें प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 15 उत्तरदाता स्वीकार करती हैं कि वे ऐसी परिस्थिति में घरेलू कार्यों को प्राथमिकता देंगी, जिसका प्रतिशत 50 है , एवं 30 में से 6 अथवा 20 % उत्तरदाता स्वीकार करती हैं कि समस्यात्मक परिस्थिति में वे घरेलू कार्यों को प्राथमिकता नहीं देंगी । 9 उत्तरदाताओं ने इस प्रश्न का स्पष्ट उत्तर नहीं दिया हैं इनका प्रतिशत कुल संख्या 30 प्रतिशत है।

तालिका - 25

स्वास्थ्य के प्रति जागरूक	आवृति	प्रतिशत	वैध प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
हाँ	19	63.3	63.3	63.3
नहीं	11	36.7	36.7	36.7
कुल	30	100.0	100.0	

तालिका - 25 में अध्ययन के विषय को ध्यान में रखते हुए अध्ययन क्षेत्र के रूप में चयनित आगरा नगर निगम संस्था जिसमें कुल 33 महिला पार्षद है । जिनमें से 3 महिला पार्षदों की अनुपस्थिति अथवा अनउपलब्धता के कारण 30 महिला पार्षदों से ही जानकारी एकत्रित हो सकी । प्राप्त जानकारी के आधार पर दर्शाया गया है कि क्या उत्तरदाता अपने स्वास्थ्य के प्रति पूर्णतः जागरूक हैं । प्राप्त आंकड़ों के माध्यम से पाया गया कि अधिकांश उत्तरदाता ऐसी है, जो अपने घरेलु व आधिकारिक कार्यों को संपन्न करने के साथ - साथ अपने स्वास्थ्य का भी पूरा ध्यान रखती है । इनकी संख्या 30 में से 19 है एवं इनका प्रतिशत 63.3 है एवं 30 में से 11 उत्तरदाता स्वीकार करती हैं, कि घर एवं राजनीतिक कार्यों में व्यस्तता के कारण वे अपने स्वास्थ्य पर ध्यान ही नहीं दे पाती हैं इनका प्रतिशत 36.7 है ।

तालिका - 26

बीमारी से ग्रसित	आवृति	प्रतिशत	वैध प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
हाँ	3	10.0	10.0	10.0
नहीं	27	90.0	90.0	100.0
कुल	30	100.0	100.0	

तालिका-26 में महिला पार्षदों के स्वास्थ्य से सम्बंधित आंकड़ों को प्रस्तुत किया गया है। इस सम्बन्ध में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार अधिकांश महिला पार्षद मानती है, कि वे पूर्णतः स्वस्थ हैं। उन्हें किसी भी प्रकार का कोई शारीरिक कष्ट अथवा परेशानी नहीं है । इस प्रकार की महिला पार्षदों की संख्या कुल संख्या 30 में से 13 है, जो की कुल संख्या का 90 प्रतिशत है । 3 महिला पार्षद स्वीकार करती हैं की वे शारीरिक समस्या अथवा बीमारी से ग्रसित हैं। जिसका कि प्रतिशत कुल संख्या का 10 प्रतिशत है ।

तालिका - 27

बीमारी के कारण	आवृति	प्रतिशत	वैध	संचयी प्रतिशत

कार्य करने में समस्या			प्रतिशत	
हाँ	2	6.7	6.7	6.7
नहीं	27	90	90	96.7
कह नहीं सकते	1	3.3	3.3	100
कुल	30	100	100	

तालिका - 27 में बीमारी के कारण उत्तरदाताओं को राजनैतिक कार्य करने में होने वाली समस्या से सम्बंधित आंकड़ो को दर्शाया गया है, एकत्रित आंकड़ों के अनुसार 27 उत्तरदाताओं ने स्वीकार किया है की बीमारी के कारण उन्हें कार्य करने में कोई समस्या नहीं होती इनका प्रतिशत 90 है एवं 2 उत्तरदाता स्वीकार करती हैं कि उन्हें उनके शारीरिक कष्ट एवं बीमारी के चलते कार्य कार्य करने में समस्या होती है । एक उत्तरदाता ने इस प्रश्न का स्पष्ट उत्तर नहीं दिया है इनका प्रतिशत 3.3 है।

तालिका - 28

विधिक अधिकारों का ज्ञान	आवृति	प्रतिशत	वैध प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
हाँ	25	83.3	83.3	83.3

नहीं	5	16.7	16.7	100.0
कुल	30	100	100	

तालिका - 28 में महिला पार्षदों के विधिक अधिकारों के ज्ञान से सम्बंधित आंकड़ों को प्रस्तुत किया गया है। इस सम्बन्ध में अधिकाँश उत्तरदाता स्वीकार करती है कि उन्हें अपने विधिक अधिकारों का ज्ञान है जिनकी संख्या 25 है एवं जिनका प्रतिशत 83.3 है परन्तु 5 अथवा 16.7% उत्तरदाताओं ने स्वीकार किया है कि उन्हें अपने विधिक अधिकारों का भी ज्ञान नहीं है।

तालिका - 29

विधिक कर्तव्यों का ज्ञान	आवृति	प्रतिशत	वैध प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
हाँ	25	83.3	83.3	83.3
नहीं	5	16.7	16.7	100.0
कुल	30	100.0	100.0	

तालिका-30 में महिला पार्षदों के विधिक कर्तव्यों के ज्ञान से सम्बंधित आंकड़ों को प्रस्तुत किया गया है । इस सम्बन्ध में 30 में से 25 उत्तरदाता स्वीकार करती है

कि उन्हें अपने विधिक कर्तव्यों का ज्ञान है एवं जिनका प्रतिशत कुल संख्या का 83.3 प्रतिशत है । 5 उत्तरदाता ऐसी भी हैं जो स्वीकार करती है, कि उन्हें अपने विधिक कर्तव्यों का ज्ञान नहीं है एवं इनका प्रतिशत 16.7 है । प्रस्तुत आंकडों के अनुसार अधिकतर महिला पार्षदों को अपने विधिक कर्तव्यों का ज्ञान है परन्तु कुछ उत्तरदाता ऐसी भी हैं जिन्हें अपने विधिक कर्तव्यों से सम्बंधित ज्ञान ही नहीं है ।

तालिका - 30

पार्षद पद से सम्बंधित प्राप्त कोई प्रशिक्षण	आवृति	प्रतिशत	वैध प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
हाँ	3	10.0	10.0	10.0
नहीं	27	90.0	90.0	100.0
कुल	30	100.0	100.0	

तालिका-30 पार्षदों को पार्षद पद से सम्बंधित कार्य करने के लिए प्राप्त होने वाले किसी भी प्रकार के प्रशिक्षण से सम्बंधित है । इस सम्बन्ध में 27 उत्तरदाताओं ने स्वीकार किया है कि उन्हें इस पद के लिए कोई प्रशिक्षण नहीं दिया जिनका प्रतिशत 90 है एवं 3 उत्तरदाताओं ने स्वीकार किया है कि उन्हें पार्षद पद का

कार्य करने के लिए प्रशिक्षण दिया गया । एकत्रित आंकड़ों के अनुसार अधिकाँश उत्तरदाताओं को उनका कार्य करने के लिए प्रशिक्षण प्राप्त नहीं हुआ है ।

तालिका -31

शैक्षिक स्तर के कारण कार्य करने में कोई समस्या	आवृति	प्रतिशत	वैध प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
हाँ	2	6.7	6.7	6.7
नहीं	28	93.3	93.3	100.0
कुल	30	100.0	100.0	

प्राप्त आंकड़ों के अनुसार तालिका- 31 में महिला पार्षदों को शैक्षणिक स्तर के कारण कार्य करने में होने वाली समस्या से सम्बंधित आंकड़ों को प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। जिसमे 28 उत्तरदाता स्वीकार करती है कि उनका शक्षिक स्तर उनके कार्य करने में बाधा उत्त्पन्न नहीं करता, इनका प्रतिशत 93.3 है एवं 2 उत्तरदाताओं ने स्वीकार किया है कि उनका शैक्षिक स्तर के कारण कार्य करने में समस्या होती है इनका प्रतिशत 6.7 है ।

तालिका -32

जाति	आवृति	प्रतिशत	वैध प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
सामान्य	13	43.3	43.3	43.3
अन्य पिछड़ा वर्ग	6	20.0	20.0	63.3
अनु.जाती	9	30.0	30.0	93.3
अल्पसंख्यक	2	6.7	6.7	100.0
कुल	30	100.0	100.0	

तालिका - 32 में शोधकर्ता द्वारा अध्ययन क्षेत्र आगरा नगर - निगम की महिला पार्षदों से भरवायी गयी प्रश्नावली से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर महिला पार्षदों की जाति दर्शाया गया है । प्राप्त आंकड़ों के आधार पर पाया गया है कि अधिकांश महिला पार्षद ऐसी है, जो सामान्य जाति से है । इन महिला पार्षदों की संख्या 30 में से 13 है जो की कुल संख्या का 43.3 प्रतिशत है । कुछ महिला पार्षद ऐसी है जो जो अन्य पिछड़ा वर्ग से है। इन महिला पार्षदों की संख्या 30 में से 6 है, जो कुल संख्या का 20.0 प्रतिशत है । 9 महिला पार्षद ऐसी है जो अनुसूचित जाति से

है। जो की कुल संख्या 30 का 30.0 प्रतिशत है ,एवम् 2 महिला पार्षद ऐसी है जो अल्पसंख्यक वर्ग से है जो कुल संख्या 30 का 6.7 प्रतिशत है ।

तालिका - 33

राजनीतिक दल	आवृति	प्रतिशत	वैध प्रतिशत	संचयी प्रतिशत
भाजपा	13	43.3	43.3	43.3
बसपा	7	23.3	23.3	66.7
सपा	10	33.3	33.3	100.0
कुल	30	100.0	100.0	

तालिका - 33 में अध्ययन के विषय को ध्यान में रखते हुए अध्ययन क्षेत्र के रूप में चयनित आगरा नगर निगम संस्था जिसमें कुल 33 महिला पार्षद है । जिनमे से 3 महिला पार्षदों की अनुपस्थिति अथवा अनउपलब्धता के कारण 30 महिला पार्षदों से ही जानकारी एकत्रित हो सकी प्राप्त जानकारी के आधार पर दर्शाया गया है । प्राप्त आंकड़ों के आधार पर 13 उत्तरदाताओं का राजनीतिक दल भारतीय जनता दल है जिनका प्रतिशत 43.3 है। 7 उत्तरदाता बहुजन समाजवादी पार्टी से है इनका प्रतिशत 23.3 है एवम् 10 उत्तरदाता समाजवादी पार्टी से है जिनका प्रतिशत 33.3 है ।

अध्ययन क्षेत्र का अवलोकन :

अध्ययन के विषय को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र का अवलोकन करने के दौरान कुछ ऐसे तथ्य भी शोधार्थी के समक्ष आये जिनका उत्तर देने में प्रश्नावली पूर्ण नहीं रही । साक्षात्कार एवं प्रश्नावली भरवाने के उद्देश्य से जब शोधार्थी महिला पार्षद से मिलने गयी, तो उत्तरदाता स्वयं शोधार्थी के समक्ष उपस्थित ही नहीं हुई। अपितु, उनके पति ने ही शोधार्थी से वार्तालाप किया एवं शोधार्थी ने जब उत्तरदाता से मिलने एवं प्रश्नावली भरने के लिए कहा तो पार्षद पति ने कहा -"अरे वो तो एक गृहणी है। जितनी देर में वो आपकी प्रश्नावली पढ़ेंगी और समझेंगी उतनी देर में तो में भर कर भी दे दूंगा वेसे भी इनके सभी कार्य में ही देखता हूँ वो महिला सीट के कारण इन्हें चुनाव में खड़ा करना पड़ा है।"

शोधार्थी द्वारा अत्यधिक विनती करने पर उत्तरदाता शोधार्थी के समक्ष आयी परन्तु उत्तरदाता ने स्वयं प्रश्नावली अपने पति द्वारा भरवाना ही उचित समझा।

उत्तरदाता ने स्पष्ट रुप से स्वीकार किया कि उन्हें राजनीति का कोई अनुभव नहीं हैं एवं क्षेत्र सम्बन्धी कार्य करने एवं लोगो से मिलने-जुलने में कोई रूचि नहीं है। राजनीतिक क्षेत्र के ज्ञान का अभाव एवं घरेलु कार्यों की व्यस्तता के कारण महिलाएं स्वयं ही राजनीति में आना उचित नहीं समझती ।

इसी प्रकार जब शोधार्थी अन्य उत्तरदाता से मिलने पहुंची तो, वो तो शोधार्थी से मिलने ही नहीं आयी उनकी प्रश्नावली उनके पति के भाई ने भरी एवं कहा की " भाभी के पास घर का काम बहुत होता है । उनके पास इन सभी कामों के लिए समय नहीं है। इसलिए पार्षद पद के सभी कार्य पापा (उत्तरदाता के ससुर) ही देखते हैं। भाभी को तो कुछ पता ही नहीं है कि क्या करना होता है क्या नहीं" ।

इससे स्पष्ट है कि सरकार ने स्थानीय स्वशासन में महिलाओं को आरक्षण देकर प्रक्रियात्मक रूप से तो महिलाओं को राजनीति में आने का अवसर प्रदान कर दिया है परंतु समाज की पित्रसत्तामक संरचना के कारण वर्तमान समय में भी महिलाओं का राजनीती में आना समाज को स्वीकार्य नहीं है।

इनसे मिलने के पश्चात् शोधार्थी अन्य पार्षद से मिलने पहुंची।" उत्तरदाता ने प्रश्नावली के प्रश्नों का उत्तर अपने पति से पूछ - पूछ कर स्वयं भरी इन उत्तरदाता का कहना था; "मेरे क्षेत्र सम्बन्धी सभी कार्य मेरे पति ही देखते है।"

शोधार्थी जब एक और अन्य उत्तरदाता से मिलने गयी तो वो उत्तरदाता अपने कार्यालय में बेठ कर कुछ फॉर्म एवं मूल निवास प्रमाण पत्र के दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कर रही थी।

शोधार्थी ने जब मिलकर प्रश्नावली भरने को का कहा तो उत्तरदाता ने कहा कि " अभी वो (उत्तरदाता के पति) घर पर नहीं है जब वो आजाये तो आप आजाना।

शोधार्थी के बहुत समझाने और विनती करने पर उत्तरदाता ने अपने पति से शोधार्थी की फ़ोन पर बात करवायी एवं उत्तरदाता के पति को समझाने पर भी उत्तरदाता के पति ने उत्तरदाता को प्रश्नावली भरने एवं शोधार्थी के किसी भी प्रश्न का उत्तर देने की अनुमति नहीं दी।

शोधार्थी को अपने वापस आने तक इंतजार करने को बोला फिर जब उत्तरदाता के पति बाहर से वापस आये तो शोधार्थी के बहुत समझाने पर भी प्रश्नावली उत्तरदाता के पति ने ही भरी हालांकि प्रश्नों का उत्तर उत्तरदाता ने स्वयं दिया। परन्तु ध्यान देने योग्य विषय यह था की जब शोधार्थी एवं उत्तरदाता की वार्तालाप हो रही थी उस वक्त उत्तरदाता की लगभग 12 या 14 वर्ष की बेटी सब देख रही थी और बीच में ही बोल पड़ी कि मम्मी से कुछ नहीं होता, जब में नेता बनूँगी तो में तो अपने काम खुद कर लिया करुँगी ।

अतः इस प्रकार की घटनाओं को देख कर स्पष्ट होता है कि महिला आरक्षित सीट होने के कारण महिलाओं के परिवार के सदस्य उन्हें चुनाव लड़ने की अनुमति तो देते है, परन्तु उन्हें सिर्फ एक बुत बनाकर चुनाव में खडा किया जाता है। महिलाओं को किसी भी कार्य को स्वयं करने एवं कोई भी निर्णय स्वयं लेने का अधिकार नहीं दिया जाता।

तत्पश्चात शोधार्थी अन्य उत्तरदाता का साक्षात्कार करने के लिए उनसे मिलने पहुंची तो न उत्तरदाता ने दरवाजा ही नहीं खोला और उनके परिवार का भी कोई

सदस्य घर से बाहर नहीं निकला। आस-पड़ोस में पूछने पर पता चला कि पार्षद का अपने पति के साथ कुछ विवाद हो गया, जिसकी वजह से वो घर छोड़कर चली गयी हैं। इसके कारण क्षेत्र के लोग भी परेशान थे।

अतः पारिवारिक विवाद भी महिला प्रातिनिधियों के कार्य में समस्या उत्त्पन्न करते हैं ।

इसके पश्चात शोधकर्ता अन्य महिला पार्षद से मिलने पहुंची । ये उत्तरदाता 31 - 40 आयु वर्ग की थी । उत्तरदाता ने शोधार्थी से बात भी की एवं प्रश्नावली भी स्वयं भरी इनका कहना था कि "जितना ज्यादा हो सके महिलाओं को राजनीति में आना चाहिए एवं अपने निर्णय स्वयं लेने चाहिए एवं कार्य भी स्वयं करने चाहिए। इनसे जब कार्य करने में होने वाली समस्या के बारे में पूछा गया तो इनका कहना था कि " प्रारंभ में जब इस क्षेत्र में आई थी तब समस्या होती थी । कोई भी अधिकारी या कर्मचारी किसी काम को करके नहीं देता था परन्तु अब इस प्रकार की कोई समस्या नहीं होती "।

एक अन्य उत्तरदाता से जब शोधार्थी ने पूछा कि "क्या कार्यस्थल पर आपके साथ कोई दुर्व्यवहार या अभद्रता हुई है, तो उत्तरदाता का कहना था कि "यदि हम सही है और अपना कार्य अच्छे से करते है अपनी बात स्पष्ट रूप से रखते है तो कोई भी न हमारे साथ अभद्रता कर सकता है ना ही कोई टीका-टिप्पणी कर सकता है, हाँ एक दो बार टीका टिप्पणी वाली स्थिति तो हुयी है ।"

शोधार्थी जब अन्य उत्तरदाता से मिलने गयी वो भी 31 से 50 के मध्य के आयु के वर्ग से थी इन्हें राजनीती में 21 वर्ष हो चुके हैं। शोधार्थी ने जब इनसे पूछा की "क्या महिलाओं को राजनीती में आना चाहिए ?" तो उत्तरदाता ने कहा कि " बेशक महिलाओं को राजनीती में आना चाहिए । यदि महिलाएं राजनीति में नहीं आयेंगी तो महिलाओं की समस्याओं को कौन समझेगा । उनका कहना था कि "मैं तो यहाँ तक कहूँगी कि जितना ज्यादा हो सके उतना महिलाओं को राजनीतिक क्षेत्र में विशेष कर स्थानीय राजनीति में आगे आना चाहिए, जिससे वो स्थानीय स्तर से महिलाओं के हक लिए प्रावधान बना सकें।''

जब इनसे पूछा गया की " क्या आप आपने स्वास्थ्य का ध्यान का रख पाती हैं। तो इनका कहना था, कि "बस यही काम नहीं कर पाती काम की व्यस्तता के कारण में स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते ।'यहाँ तक की स्वास्थ्य क्या हम तो खाना पीना भी ठीक से नहीं खा पाते ।''

फिर शोधार्थी अन्य महिला पार्षद से पूछा कि " आपका क्या मानना है महिलाओं को राजनीति में आना चाहिए अथवा नहीं ? तो उनका कहना था कि " नहीं महिलाओं को राजनीति में नहीं आना चाहिए यदि वो राजनीति में आना भी चाहती हैं तो तभी आए जब कि उनके परिवार के किसी बड़े नेता से अच्छे सम्बन्ध हो या उनके परिवार का कोई सदस्य राजनीति में हो अन्यथा राजनीतिक क्षेत्र में बहुत गन्दगी है। इस क्षेत्र में आना महिलाओं के लिए सुरक्षित नहीं है ।

स्वास्थ्य सम्बन्धी प्रश्न पूछने पर इनका कहना था की " मुझे सिर्फ घर का काम करना होता है बाकी काम मेरे पति संभालते हैं तो में तो अपने स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखती हूँ ।

एक और अन्य महिला पार्षद से मिलने के लिये जब शोधार्थी गयी तो वो उत्तरदाता 45 से 50 वर्ष के आयु वर्ग की रही होंगी । उन्होंने बताया कि वो अपने भाई के साथ रहती है उनके परिवार और अन्य सदस्यों से सम्बंधित प्रश्न पूछने पर उनका कहना था की शादी के कुछ वर्ष बाद ही उनके पति कहीं चले गए थे या उन्हें किसी ने अगवा कर लिया था इसलिए ये अपने भाई के यहाँ रहती हैं एवं अपने सभी राजनीतिक कार्य स्वयं देखती हैं राजनीति समाज सेवा का कार्य है। इसलिए वो इस क्षेत्र में है इस कार्य को करने से उन्हें ख़ुशी मिलती है।

शोधार्थी के पूछने पर उत्तरदाता का कहना था कि वो अपने क्षेत्र सम्बन्धी निर्णय स्वयं ही करती हैं परन्तु कभी कभी इस सम्बन्ध में अपने भाई की भी सहायता लेती हैं।

शोधार्धी एक और उत्तरदाता से मिलने पहुंची तो उत्तरदाता के बेटे और बहु ही शोधार्थी से मिलने आयेउत्तरदाता की बहू ने प्रश्नावली भरी। शोधार्थी के काफी समझाने पर वो मिलने आयी एवं प्रश्न पूछने पर उनका कहना था कि सारे कार्य बेटा ही देखता है में तो कभी निगम की बैठकों में नहीं जाती ।

जब शोधार्थी एक और महिला पार्षद से पूछा कि क्या महिलाओं को राजनीती में आना चाहिए? इसके सम्बन्ध में उत्तरदाता का कहना था , "राजनीति में महिलाओं को अवश्य आगे आना चाहिए ।"

शोधार्थी ने उत्तरदाता के राजनीति में आने का कारण पूछा तो उत्तरदाता कहना था की "दिल्ली में दामिनी केस के बाद हमने आगरा में केंडल मार्च निकाला एवं तभी मुझे महसूस हुआ कि मुझे राजनीति में आना चाहिए। भारतीय जनता दल का गढ़ आगरा जहां से किसी और दल का चुनाव जीतना ही नामुमकिन हैं वहाँ से मेने समाजवादी दल का सदस्य बनकर जीत हासिल की है और अपनी राजनीतिक निर्णय में स्वयं लेती हूँ जिम्मेदारियां भी खुद उठाती हूँ, कार्य ही स्वयं करती हूँ।"

शोधार्थी के पूछने पर की आपको इन सब कार्यों में कोई समस्या तो नहीं होती इन कार्यों को करने में , उत्तरदाता का कहना था कि समस्या तो होती है लेकिन हम सामजंस्य स्थापित कर लेते हैं और अपने कार्य स्वयं ही करते है।

शोधार्थी जब एक और अन्य उत्तरदाता से बात की तो उनका उनका कहना था की में पढ़ी लिखी नहीं हूँ मुझे राजनीति एवं ये पार्षद पद से कोई लेने देना नहीं हैं मेरे पति ही सब संभालते है में तो सिर्फ जब ज्यादा आवश्यक हो निगम की बैठकों में हिस्सा लेने या हस्ताक्षर करने चली जाती हूँ ।

शोधार्थी ने जब राजनीति में आने का कारण पूछा तो उत्तरदाता के पति ने कहा कि “क्षेत्र में महिला सीट होने के कारण हमारे राजनीतिक दल का हमारे उपर बहुत दबाव था इसलिए हमें इन्हें प्रत्याशी के रूप में खड़ा करना पड़ा । शोधार्थी ने जब उत्तरदाता के पति से पूछा कि “ आप मैडम को उनके क्षेत्र के कार्य क्यों नहीं करने देते आप उनके कार्य क्यूँ करते हो ।” तो उत्तरदाता के पति ने का कहना था कि “ क्षेत्र से हमेशा हम ही चुनाव में खड़े होते हैं । इस बार महिला सीट थी और पार्टी का दबाव था इसलिए इन्हें खड़ा किया पर क्षेत्र की जनता तो हमें जानती है, हमसे उम्मीदें रखती हैं और इनके जितने का कारण भी हमारे उपर विश्वास है तो कार्य तो सारे हमें ही करने पड़ेंगे ।

शोधकर्ता जब अन्य महिला प्रत्याशी से मिली और प्रश्नावली भरने को कहा तो उनका कहना था कि “आप प्रश्न कर सकती हो में आपको बता दूंगी ये आप खुद भर लो में पढ़ी लिखी नहीं हूँ एवं शोधकर्ता के राजनीती में आने कारण पूछने पर उत्तरदाता का कहना था कि “ क्षेत्र में अनुसूचित जाति की महिला सीट थी जिस पर कोई प्रत्याशी के रूप में खड़े होने को तैयार नहीं था तो क्षेत्र के लोगों ने बहुत विनती की इसके कारण में राजनीति में आ गई यहाँ तक की हम बहुत गरीब है इसलिए हमारा चुनाव का खर्च भी क्षेत्र की जनता ने ही उठाया है।”

शोधार्थी के द्वारा समस्या पूछने पर उनका कहना था कि “ जब हम अपना कार्य करवाना के किये अधिकारियों के पास जाते है तो वो सुनते ही नहीं हैं एवं

दुर्व्यवहार भी करते हैं और टीका - टिप्पणी तो इस मामले में आम बात सी हो गयी है। ”

शोधकर्ता ने अन्य उत्तरदाता से प्रश्न किया की “ क्या महिलाओं को राजनीति में आना चाहिए” तो उत्तरदाता का काहना था कि “ नहीं महिलाओं के लिए राजनीति नहीं बनी । यहाँ हर पल महिलाओं का शोषण होता है महिलाओं को राजनीति में नहीं आना चाहिए। ”

परन्तु ध्यान देने योग्य तथ्य यह था कि 31 से 50 के आयु वर्ग की महिलाओं का मानना है की महिलाओं को राजनीति में आना चाहिए एवं उससे अधिक आयु की उत्तरदाताओं का मानना था कि महिलाओं को राजनीति में नहीं आना चाहिए।